समाहरणालय, पटना।
(शस्त्र शाखा)

फोन न0 0612–2219545 (का0
फैक्स न0–0612–221890
Email : dampatnaarmssection@gmail.com
dm-patna.bih@nic.in

–: आदेश :–

12-11-2013 आवेदक **श्री अजय कुमार मिश्रा,** पिता–स्व0 गंगाधर मिश्रा, सा0–शिवपुरी, मकान का नाम–'त्रिशुल', ए0एन0 कॉलेज के पीछे, राधाकृष्ण मंदिर रोड, थाना+पो0–शास्त्रीनगर जिला–पटना से प्राप्त एक डी0बी0बी0एल0 गन शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन–पत्र पर शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या–09–500/2010 कायम करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त कर सुनवाई की तिथि–12.11.2013 निर्धारित की गई।

पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक–12.11.2013 को सुनवाई की गयी। सुनवाई के क्रम में आवेदक के द्वारा उपस्थित होकर बताया गया कि वे पटना उच्च न्यायालय, पटना में अधिवक्ता हैं। तदोपरान्त उनके द्वारा अपने जान–माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अनुरोध किया गया, परन्तु पूछने पर सुरक्षा भय के संबंध में कोई ठोस कारण नही बताया गया।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के पत्रांक–1840/गो0, दिनांक–22.12.2010 द्वारा आवेदक के शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र को जाँचोपरान्त मात्र अग्रसारित किया गया है। कोई अनुशंसा अंकित नहीं की गयी है। पुलिस उपाधीक्षक, सचिवालय, पटना द्वारा थानाध्यक्ष, शास्त्रीनगर की अनुशंसा एवं मंतव्य के आलोक में आवेदक के शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र को अग्रसारित एवं अनुशंसित किया गया है। थानाध्यक्ष, शास्त्रीनगर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदक पटना उच्च न्याायलय, पटना में अधिवक्ता हैं। इनके पिता स्व0 गंगाधर मिश्रा के नाम पूर्व से एक दोनाली बन्दूक अनुज्ञप्ति सं0–1490/5462–414/421 पर दो नाली बन्दूक धारित है, जिसे अपने नाम करना चाहते हैं। तदोपरान्त आवेदक अपने जान–माल की सुरक्षा एवं अपने पिता के उक्त शस्त्र को अपने नाम करने हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अनुरोध किया गया। थानाध्यक्ष द्वारा जाँच प्रतिवेदन की कंडिका–10 के सभी बिन्दुओं पर कुछ भी प्रतिवेदित नहीं करने के बावजूद आवेदक को अनुज्ञप्ति निर्गत करने हेतु अनुशंसा की गयी है, लेकिन इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13 (2) एवं 13 (2A) में अंकित है कि "आवेदन की प्राप्ति पर, अनुज्ञापन प्राधिकारी उस आवेदन पर निकटतम पुलिस थाने के भारसाधक ऑफिसर की रिपोर्ट मंगवाएगा और ऐसा ऑफिसर अपनी रिपोर्ट विहित समय के भीतर भेजेगा। अनुज्ञापन प्राधिकारी ऐसी जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात्, जैसा वह आवश्यक समझे, और उप–धारा (2) के अधीन प्राप्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अध्याय के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, लिखित आदेश द्वारा अनुज्ञप्ति या तो अनुदत्त करेगा या अनुदत्त करने से इन्कार करेगा :

परन्तु जहाँ निकटतम पुलिस थाने का भारसाधक ऑफिसर आवेदन पर विहित समय के भीतर अपनी रिपोर्ट नहीं भेजता है, वहाँ यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी ठीक समझे तो वह विहित समय के अवसान के पश्चात्, उस रिपोर्ट की और प्रतीक्षा किए बिना ऐसा आदेश कर सकेगा।"

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, आवेदक के आवेदन एवं उनक द्वारा उपस्थित होकर रखे गये तथ्यों एवं अभिलेख पर संधारित कागजातों के सूक्ष्मता पूर्वक अवलोकन के पश्चात अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक को सुरक्षा के बिन पर कोई विशेष सुरक्षा भय/खतरा नहीं है तथा उन्हें एक डी0बी0बी0एल0 गन हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों ए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदक श्री अजय कुमार मिश्रा, पिता–स्व0 गंगाधर मिश्रा, सा0–शिवपुरी, मकान का नाम–'त्रिशुल' ए0एन0 कॉलेज के पीछे, राधाकृष्ण मंदिर रोड, थाना+पो0–शास्त्रीनगर, जिला–पटना क आवेदित एक डी0बी0बी0एल0 गन अनुज्ञप्ति आवेदन–पत्र को **अस्वीकृत** किया जाता है।

वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित।

जिला दण्डाधिकारी,
पटना।

जिला दण्डाधिकारी
पटना।